भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3920 का उत्तर

उदयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास में देरी

3920. श्री राजकुमार रोत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उदयपुर रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना (354 करोड़ रुपये की लागत) के लिए निर्धारित समय-सीमा समाप्त हो गई है, यदि हां, तो इस समय-सीमा को कितनी अवधि के लिए बढ़ाया गया है;

(ख) उस नियम/उपबंध का ब्यौरा क्या है जिसके अंतर्गत विस्तार प्रदान किया गया और परियोजना की वर्तमान प्रगति क्या है और उक्त परियोजना के पूरा होने की संशोधित तिथि क्या है;

(ग) क्या इस परियोजना में पार्किंग, 16 एस्केलेटर और एक दर्जन से अधिक लिफ्टों सहित प्रस्तावित अनेक प्रमुख कार्य अभी भी अधूरे हैं और प्लेटफार्म संख्या 1 से 5 पर पर्याप्त यात्री शेड न होने के कारण गर्मियों और बरसात के मौसम में यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(घ) उक्त परियोजना में विलंब के लिए संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध अब तक की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के संबंध में एक स्वतंत्र तकनीकी परीक्षा/जांच कराने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए उदयपुर सिटी स्टेशन को चिह्नित किया है। इस स्टेशन की स्थिति निम्नानुसार है:

उदयपुर सिटी स्टेशन: उदयपुर सिटी स्टेशन के पुनर्विकास को 354 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है। उदयपुर सिटी स्टेशन पुनर्विकास की मास्टर योजना में निम्नलिखित कार्यों की परिकल्पना की गई है:

- **मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन (पश्चिम की ओर) का प्रावधान**
- **दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन (पूर्व की ओर) का प्रावधान**
- **72 मीटर चौड़ा एयर कॉनकोर्स**
- **प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान और प्लेटफॉर्म सतह में सुधार**
- **लिफ्ट और एस्केलेटर का प्रावधान**
- **परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार**
- **ऊपरी पैदल पार पुल को दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन से जोड़ने के लिए स्काईवॉक**

उदयपुर सिटी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, अधिक ऊंचाई वाले प्लेटफॉर्म, मूत्रालय, शौचालय, प्रतीक्षालय, पेयजल की सुविधा और पैदल पार पुल जैसी यात्री सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मुख्य स्टेशन भवन और दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन और दूसरे प्रवेश स्टेशन भवनों, प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स, लिफ्ट और एस्केलेटर के फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं। एजेंसी को कार्य तेजी से बढ़ाने के लिए नियमित रूप से अनुदेश दिए जा रहे हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल/सबवे की व्यवस्था**

- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था**
- **प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से और यथा व्यवहार्य संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें से उदयपुर सिटी स्टेशन सहित 85 स्टेशन राजस्थान में स्थित हैं। राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
राजस्थान	85	आबू रोड, अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, असलपुर जोबनेर, बालोतरा, बांदीकुई, बारां, बाड़मेर, बयाना, ब्यावर, भरतपुर, भवानी मंडी, भीलवाड़ा, बिजयनगर, बीकानेर, बूंदी, चंदेरिया, छबड़ा गुगोर, चित्तौड़गढ़ जंक्शन, चूरू, डाकनिया तलाव, दौसा, डीग, देगाना, देशनोक, धौलपुर, डीडवाना, डूंगरपुर, फालना, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावटी, गांधीनगर जयपुर, गंगापुर सिटी, गोगामेड़ी, गोटन, गोविंदगढ़, हनुमानगढ़, हिंडौन सिटी, जयपुर जं, जैसलमेर, जालौर, जवाई बांध, झालावाड़ सिटी,

		झुंझुनू, जोधपुर, कपासन, खैरथल, खेरली, कोटा जं, लालगढ़ जं, माण्डल गढ़, मंडावर महवा रोड, मारवाड़ भीनमाल, मारवाड़ जंक्शन, मावली जंक्शन, मेड़ता रोड जं, नागौर, नरैना, नीम का थाना, नोखा, पाली मारवाड़, फलौदी जं, फुलेरा जं, पिंडवाड़ा, रायसिंह नगर, राजगढ़, रामदेवरा, रामगंजमंडी जंक्शन, राणा प्रतापनगर, रानी, रतनगढ़ जं, रेन, रींगस, सादुलपुर, सांगानेर, सवाई माधोपुर, श्री महावीरजी, सीकर, सोजत रोड, सोमेसर, श्रीगंगानगर, सुजानगढ़, सूरतगढ़, उदयपुर सिटी

स्टेशन जहां कार्य पूरा किया जा चुका है:

राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। राजस्थान में पूरे किए गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों का नाम
राजस्थान	18	बाड़मेर, बूंदी, दौसा, डीग, देशनोक, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावाटी, गंगापुर सिटी, गोगामेडी, गोटन, गोविंद गढ़, जैसलमेर, खैरथल, माण्डल गढ़, मंण्डावर महुवा रोड, राजगढ़, सोजत रोड, सोमेसर

राजस्थान के अन्य स्टेशनों पर पुनर्विकास की गतिविधियां भी तीव्र गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

न्यू कोटा: स्टेशन भवन के आगे और पीछे के भाग, पार्सल भवन, नए पैनल कक्ष, आरपीएफ भवन, परिचलन क्षेत्र के आगे और पीछे के भाग में सुधार, प्लेटफॉर्म सं.1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। लिफ्ट, एस्केलेटर, थ्रूरूफ, स्टेशन भवन के आगे और पीछे के भाग का फिनिशिंग कार्य, प्लेटफॉर्म सं. 2 और 3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार, ओवरहेड टैंक और भूमिगत टैंक आदि का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

गांधी नगर जयपुर स्टेशन: मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन का निर्माण-कार्य, द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, दो स्तरीय बेसमेंट, एयर कॉनकोर्स, थ्रू रूफ लॉन्चिंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान, प्लेटफॉर्म की सतह का पुनर्निर्माण और परिचलन क्षेत्र तथा जनोपयोगी साधनों में सुधार कार्य पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

जयपुर स्टेशन: दौसा छोर पर 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर बेसमेंट, पहुंच मार्ग, मुख्य प्रवेश द्वार की ओर बेसमेंट का संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य और कॉनकोर्स को जोड़ने वाले 8 मीटर चौड़े केन्द्रीय पैदल पार पुल का कार्य पूर्ण हो चुका है। सीकर छोर पर 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य, मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, रेलपथ के साथ पैदल पार पुल और पैदल पार पुल के मध्य भाग तथा छत एवं फर्श संबंधी कार्य शुरू किया गया है।

चुरू स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण-कार्य, प्लेटफॉर्म सं.1 और 2 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, रिटायरिंग रूम, शौचालय, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड और संकेतक संस्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

डूंगरपुर स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रांगण, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, शौचालय ब्लॉक, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड और संकेतक संस्थापन के कार्य पूरे हो चुके हैं। दिव्यांगजनों के लिए पैदल पार पुल और सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। स्टेशन के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण का कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी साधनों को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य पूरा करने के समय को प्रभावित

करते हैं। तदनुसार, संविदा बढ़ाने का कार्य लागू नियमों और संविदात्मक के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, समय और लागत में वृद्धि की जांच, कार्यों की गुणवत्ता और लेखापरीक्षा शामिल है। परियोजनाओं की विभिन्न स्तरों पर निगरानी की जाती है, जिसमें भारतीय रेल के समर्पित पोर्टल भारतीय रेल परियोजना स्वीकृति एवं प्रबंधन (आईआरपीएसएम) के माध्यम से भी निगरानी की जाती है। निर्माण-कार्य विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का पालन करते हुए शुरु किए जाते हैं। विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक टीमों द्वारा समय-समय पर निर्धारित अनुदेशों के अनुसार निरीक्षण/लेखापरीक्षा/जाँच की जाती है और सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की जाती है। निष्पादन इकाइयों के सामने आने वाली समस्याओं का तदनुसार समाधान किया जाता है। यह एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रकिया है।

*****